an>

Title: Issue regarding demolition of old constructions in Neil Island.

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) : अध्यक्ष महोदया, आप एक मिनट हमारी बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ठीक है, आप बोलिये।

श्री विष्णु पद राय : अध्यक्ष महोदया, अंडमान का एक छोटा सा टापू नील आईलैंड है। वहां भरतपुर एक गांव है, जहां एक सी बीच है। सी बीच के सामने नील द्वीपवासी लोग जो रिफ्यूजी बनकर बंगलादेश से आये थे, उनका परिवार वहां ठेला लगाता था। वे लोग जमाने से स्ट्रीट वेंडर्स, हॉकर्स का काम करते थे। वे कल रात से मुझे लगातार फोन कर रहे हैं। कल रात हमारा एडमिनिस्ट्रेशन, हमारा लेफ्टिनेंट गवर्नर, हमारी सीएस ने गरीबों का बगीचा काट दिया। आज सुबह रैवेन्यु और पुलिस उनकी ठेला गाड़ी को तोड़ने गयी है। मोदी जी कहते हैं कि गरीब की सुनो, गरीब का काम करो। हमारे द्वीप समूह की असेम्बली नहीं है, इसलिए सरकार यही है, माई-बाप यही है, पार्लियामेंट यही है। आज पुलिस वहां गरीब, हॉकर्स का घर और ठेला गाड़ी तोड़ने गयी। मैंने फोन पर उनसे रिक्वैस्ट की, फोन पर गिड़गिड़ाया। वे बाद में बोलते हैं कि तुम्हें सात दिन का टाइम दे रहा हूं, वार्निंग दे रहा हूं। तुम इसे खाली कर दो। मैं पूछना चाहता हूं कि अंडमान-निकोबार में क्या जन-प्रतिनिधि का कोई आदर मान है? वहां उनका कोई आदर-मान नहीं है। वहां कोई भी सुनने वाला नहीं है। आज अंडमान में अफसर, एलजी की इमर्जेंसी लग गयी है। आप अंडमान को बचाओ, नहीं तो अंडमान-निकोबार का नाम काट दीजिए।आप चेयरमैन थीं, आप खुद देखकर आई थीं, सुनने वाला कोई नहीं है। ... *

माननीय अध्यक्ष : आप इस तरह की भाषा यूज़ मत कीजिए।

श्री विष्णु पद राय : मेरा आग्रह है कि इसे बचाओ। नील द्वीप पर ही नहीं, कदमतला, कैम्बल बे, पालगांव, चिरियटप्पू, हैवलॉक में घर तोड़ दिए। दिल्ली में सरकार अनआथोराइज्ड कालोनियों का पट्टा दे रही है, कानून बना रही है। मेरी मांग है कि इसे मत तोड़ो। हमारी बात सुनने वाला कौन है?

माननीय अध्यक्ष : मैं आपकी बात समझ गई हूँ।

श्री विष्णु पद राय : नील द्वीप और हैवलॉक में मास्टर प्लान बना दिया, संसद और द्वीपवासियों के विरोध के बिना पूछे, बिना सलाह के बना दिया। लोग नहीं चाहते, एमपी नहीं चाहते। एलजी चाहते हैं, आफिसर चाहते हैं, आईएएस चाहते हैं।

माननीय अध्यक्ष : प्लीज, आप बैठिए।

श्री विष्णु पद राय : मैं आग्रह करता हूं कि अंडमान निकोबार द्वीप समूह को बचा लो। आप चेयरमैन थीं, खुद देखकर आई थीं। मैं रोकर कहता हूं कि अंडमान, लक्षद्वीप को बचाओ। कोई माई बाप अंडमान निकोबार और लक्षद्वीप का है ही नहीं।